भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
26.03.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4236 का उत्तर

तमिलनाडु में रेलवे स्टेशन पुनर्विकास कार्यक्रम

4236. श्री एस. जगतरक्षकन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) रेलवे स्टेशन पुनर्विकास कार्यक्रम के तहत पुनर्विकास के लिए तमिलनाडु में कितने रेलवे स्टेशनों की पहचान की गई है;

(ख) इन परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है तथा पूरा होने की समय-सीमा क्या है;

(ग) क्या इसमें कोई विलंब हुआ है या बजट में वृद्धि हुई है;

(घ) यदि हां, तो सरकार द्वारा इन मुद्दों के समाधान तथा परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं; और

(ङ) टिंडीवनम-नागरी रेलवे लाइन परियोजना की स्थिति क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): रेल मंत्रालय ने रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। अब तक, इस योजना के अंतर्गत 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से

77 स्टेशन तमिलनाडु राज्य में स्थित हैं। तमिलनाडु राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
तमिलनाडु	77	अंबासमुद्रम, अंबत्तूर, अरक्कोणम जंक्शन, अरियालुर, आवडी, बोम्मिडी, चेंगलपट्टू जंक्शन, चेन्नै बीच, चेन्नै एग्मोर, चेन्नै पार्क, चिदंबरम, चिन्ना सेलम, क्रोमपेट, कोयम्बटूर जंक्शन, कोयम्बटूर नॉर्थ, कुन्नूर, धर्मपुरी, डॉ.एम.जी.रामाचंद्रन सेंट्रल, इरोड जंक्शन, गुडुवनचेरी, गुइंडी, गुम्मिडीपूंडी, होसुर, जोलारपेट्टई जंक्शन, कन्याकुमारी, कराइक्कुडी, करूर जंक्शन, काटपाडी, कोविलपट्टी, कुलितुरई, कुंभकोणम, लालगुडी, मदुरै जंक्शन, माम्बलम, मनापरई, मन्नारगुडी, मयिलादुथुराई जंक्शन, मेट्टुपलयम, मोरप्पुर, नागरकोइल जंक्शन, नामक्कल, पलानी, परमाकुडी, पेरम्बूर, पोदनूर जंक्शन, पोलाची, पोलुर, पुदुक्कोट्टई, राजापलायम, रामनाथपुरम, रामेश्वरम, सेलम, सामलपट्टी, शोलावंदन, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुथुर, सेंट थॉमस माउंट, ताम्बरम, तेनकासी, तंजावुर जंक्शन, तिरुवरुर जंक्शन. तिरुचेंदूर, तिरुनेलवेली जंक्शन, तिरुप्पादरिप्पुलयूर, तिरुपत्तूर, तिरुप्पुर, तिरुसुलम, तिरुत्तानी, तिरुवल्लुर, तिरुवन्नामलाई, उदगमंडलम, वेल्लूर कैंट, विल्लुपुरम जंक्शन, विरुधुनगर, वृद्धाचलम जंक्शन, डिंडीगुल, तूतीकोरिन

तमिलनाडु राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य अच्छी गति से शुरू किए गए हैं। उदाहरणार्थ,

- मदुरै स्टेशन पर, मल्टी-लेवल दुपहिया पार्किंग के पूर्वी छोर तथा विद्युत सबस्टेशन के संरचना संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए हैं और टर्मिनल भवन के पूर्वी छोर, मल्टी-लेवल कार पार्किंग के दोनों ओर, एयर कॉनकोर्स, पार्सल ऊपरी पैदल पुल, सबवे आदि से संबंधित कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
- चेन्नई एगमोर स्टेशन पर, पार्सल भवन का संरचना संबंधी कार्य पूरा कर दिया गया है और दोनों ओर मल्टी-लेवल कार पार्किंग, जीआई रोड साइड टर्मिनल भवन आदि से संबंधित कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
- तमिलनाडु राज्य के रामेश्वरम स्टेशन पर, उत्तर की ओर टर्मिनल भवन, विद्युत सब-स्टेशन और पार्सल कार्यालय के निर्माण का संरचना संबंधी कार्य पूरा हो चुका है और टर्मिनल भवन के पूर्वी छोर, आगमन फोरकोर्ट, प्लेटफॉर्म सुधार आदि से संबंधित कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
- सामलपट्टि स्टेशन पर, नए मुख्य टर्मिनल भवन और मुख्य प्रवेश द्वार के परिचलन क्षेत्र के निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है तथा दोपहिया वाहन पार्किंग क्षेत्र, प्लेटफॉर्म के सतह की ऊंचाई बढ़ाने, परिसर की दीवार का निर्माण आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- कारैक्कुडि स्टेशन पर प्लेटफार्म शेल्टरों का सुधार, बैठने की व्यवस्था, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, नए बरामदों का निर्माण, प्रवेश एवं निकास द्वारों, लिफ्टों और सवारी डिब्बा संकेतन बोर्ड लगाने का कार्य पूरा हो चुका है। प्रतीक्षालय, ढके हुए पैदल मार्ग आदि से संबंधित कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- अरियालुर और मन्नारगुडी स्टेशनों पर नए प्रवेश द्वारों, प्रवेश द्वार के बरामदों का निर्माण, पहुंच मार्ग सहित परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग क्षेत्र, कॉनकोर्स क्षेत्र, बुकिंग काउंटर, प्लेटफॉर्म सतह, प्रतीक्षालय और प्लेटफॉर्म शेल्टरों से संबंधित कार्य पूरे कर लिए गए हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर सुविधाओं जैसे स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों छोरों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों के विकास/उन्नयन का वित्तपोषण सामान्यत: योजना शीर्ष-53 ग्राहक सुविधाएं के अंतर्गत किया जाता है। आवंटन का ब्यौरा योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार अथवा स्टेशन-वार या राज्य-वार। तमिलनाडु राज्य दो क्षेत्रों के अंतर्गत आता है, अर्थात् दक्षिण रेलवे और दक्षिण-पश्चिम रेलवे। इन क्षेत्रों के लिए, वित्त वर्ष 2024-25 हेतु योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत 1,909 करोड़ रुपए (संशोधित अनुमान) का आवंटन किया गया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग की स्वीकृति, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

तिण्डिवनम-नगरि (184 किलोमीटर) नई लाइन परियोजना को 3,631 करोड़ रुपए की लागत से मंजूरी दी गई है। वालाजा रोड से राणिप्पेट्टे तक कुल 184 किलोमीटर लंबाई में से 6 किलोमीटर लंबाई का कार्य पूरा हो चुका है। मार्च, 2024 तक 764 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। उपलब्ध भूमि पर काम शुरू हो चुका है।

इसके अलावा 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 33,467 करोड़ रु. की लागत वाली 2,587 कि.मी. लंबाई की 22 रेल अवसंरचना परियोजनाएं (10 नई लाइन, 03 आमान परिवर्तन और 09 दोहरीकरण) योजना/स्वीकृति/निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 665 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 7,153 करोड़ रु. का व्यय किया गया है। सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की सं.	कुल लंबाई	कमीशन की गई लंबाई	शेष लंबाई	मार्च 2024 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	10	872 कि.मी.	24 कि.मी.	848 कि.मी.	1,223
आमान परिवर्तन	3	748 कि.मी.	604 कि.मी.	144 कि.मी.	3,267
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	9	967 कि.मी.	37 कि.मी.	930 कि.मी.	2,664
कुल	**22**	**2587 कि.मी.**	**665 कि.मी.**	**1922 कि.मी.**	**7,153**

पिछले तीन वर्षों (2021-2022, 2022-2023, 2023-24 और चालू वित्त वर्ष अर्थात 2024-25), के दौरान तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः रूप से पड़ने वाली कुल 21 सर्वेक्षण (4 **नई लाइन और** 17 **दोहरीकरण) जिनकी कुल लंबाई 1813 किलोमीटर है, स्वीकृत किए गए हैं और सर्वेक्षण कार्य शुरू किया गया है।**

तमिलनाडु राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। तमिलनाडु राज्य में भूमि अधिग्रहण कार्यों की स्थिति निम्नानुसार है:-

तमिलनाडु में परियोजनाओं के लिए अपेक्षित कुल भूमि	4288 हेक्टेयर
भूमि अधिग्रहण	991 हेक्टेयर (23%)
शेष भूमि का अधिग्रहण किया जाना है	3297 हेक्टेयर (77%)

भूमि अधिग्रहण को तेज करने के लिए तमिलनाडु सरकार का समर्थन आवश्यक है।

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित कुछ प्रमुख परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अपेक्षित कुल भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)	शेष भूमि जिसे अधिगृहीत किया जाना है (हेक्टेयर में)
1	टिंडीवनम-तिरुवन्नामलाई नई लाइन (71 कि.मी.)	273	33	240
2	अट्टिपट्टू-पुत्तूर नई लाइन (88 कि.मी.)	189	0	189
3	मोरप्पुर-धरमापुरी (36 कि.मी.)	93	0	93
4	मन्नारगुड़ी-पट्टुकोट्टई (41 कि.मी.)	152	0	152

5	तंजावुर-पट्टुकोट्टई (52 कि.मी.)	196	0	196

भारत सरकार परियोजनाओं के निष्पादन में तेजी ला रही है, बहरहाल इसकी सफलता तमिलनाडु सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है

******